Bolendra Kumar Agam, Asst Prof of Geography, Raja Singh College, Siwan

प्रश्न : चीन के औद्योगिक विकास पर निबंध लिखें।

उत्तर : चीन क्षेत्रफल और जनसंख्या की दृष्टि से एक विशाल देश है। अपनी कार्यकुशलता के बदौलत चीन ने अभूतपूर्व औद्योगिक विकास किया है। आज चीन आर्थिक महाशक्ति के रूप में जाना जाता है। कई औद्योगिक उत्पादन विश्व में प्रथम स्थान रखते हैं।

औद्योगिक विकास का इतिहास

1949 के पूर्व चीन की मात्र 6% जनसंख्या ही उद्योगों में संलग्न थी और इसी कारण उद्योगों की स्थिति दयनीयथी। अधिकांश उद्योग लघु या कुटीर रूप में थे। इनमें प्रमुख थे- सूती कपड़ा बनाना, रेशम बनाना, धान कूटना, आटा पीसना, तेल निकालना, रस्सी बनाना, टोकरी, कालीन, चमड़े का सामान बनाना, चीनी मिट्टी के बर्तन बनाना इत्यादि।

जब जापान ने चीन पर कब्जा किया तो युद्ध काल में सूती वस्त्र, हथियार, सैनिक खाने सामान, परिवहन उपकरण आदि उद्योगो में पर्याप्त विकास हुआ। परन्तु जापानियों द्वारा यह विकास युद्ध काल तक ही सीमित रही।

साम्यवादी चीन में विकास: द्वितीय विश्वयुद्ध के पश्चात 1949 ई० में चीन में साम्यवादी सरकार की स्थापना हुई। प्रथम व द्वितीय पंचवर्षीय योजनाओं 1952-62 में उद्योगों के विकास पर पर्याप्त ध्यान दिया जिसका परिणाम यह रहा कि राष्ट्रीयकरण द्वारा
- उद्योगों की संख्या में व
- औद्योगिक उत्पादन में आशातीत प्रगति हुई।

The Year of the Big Leap : 1958 ई० में औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि आश्चर्यजनक रही। इतना उत्पादन विश्व के किसी भी देश में नहीं हुई, इसलिए इस वर्ष को 'लम्बी छलांग का वर्ष' कहा जाता है।

आधुनिक विकास : चीन के आधुनिक उद्योग कच्चे माल के

Scanned with CamScanner

स्रोतों के निकट विकसित हो रहे हैं और ये अधिकतर देश के आंतरिक भागों में हैं। पुराने उद्योग अधिकांशतः समुद्रतटीय भागों में स्थित हैं। आज चीन में लगभग 1 करोड़ औद्योगिक औद्योगिक इकाईयाँ हैं जिसमें 25 % बड़े प्रतिष्ठान हैं। चीन के प्रमुख उद्योग हैं—

लौह इस्पात उद्योग
वाहन निर्माण
रेशमी वस्त्र
चमड़ा, सीमेंट,
इंजीनियरिंग,
रासायनिक पदार्थ
दियासलाई व अन्य उद्योग आदि।

लौह इस्पात उद्योग
Iron and Steel Industry

लौह इस्पात उद्योग सभी उद्योगों का आधारस्तंभ है। इसके लिए आवश्यक कच्चेमाल — लौह अयस्क, चूनापत्थर, मैंगनीज, डोलोमाइट, मोलिब्डेनम, कोयला, टंगस्टन आदि चीन में इस्पात कारखानों के इर्द-गिर्द आसानी से उपलब्ध है।

आरंभिक विकास: सर्वप्रथम आधुनिक कारखाना अनशान नगर में 1907 ई० में 'हानयांग आयरन एण्ड स्टील वर्क्स' के नाम से स्थापित हुआ। यह विश्व के विशालतम कारखानों में से था।
सन 1919 में एक और विशाल कारखाना जापानियों द्वारा आनशान में 'शोवा स्टील वर्क्स' के नाम से स्थापित किया गया। जापान में युद्ध में पराजय के बाद इस कारखाने को नष्ट कर दिया परन्तु चीन ने सोवियत संघ की मदद से इसे बाद में पुनर्जीवित किया और 'आनशान स्टील वर्क्स' नाम रखा।
1954 में 'आनशान स्टील वर्क्स-2' की स्थापना हुई।
1959 ई० में Inner Mongolia के पाओटो नगर में 'पाओटो स्टील वर्क्स' की स्थापना हुई।

चीन के प्रमुख लौह इस्पात केन्द्र: टिंटसिन, बीजींग, शंघाई, पेनकी, तानशान, क्वीचाऊ, चुंगकिंग, पेनचिहु, तांयेह, हेंगचाऊ, तेलियान, ताइयुआन आदि।

प्रमुख उत्पाद: कच्चा लोहा, इस्पात, इस्पात पिंड, शीट, मोटर, रेल डब्बा, इंजन, जलयान, वायुयान, कृषियंत्र, मशीन, आदि।

Scanned with CamScanner

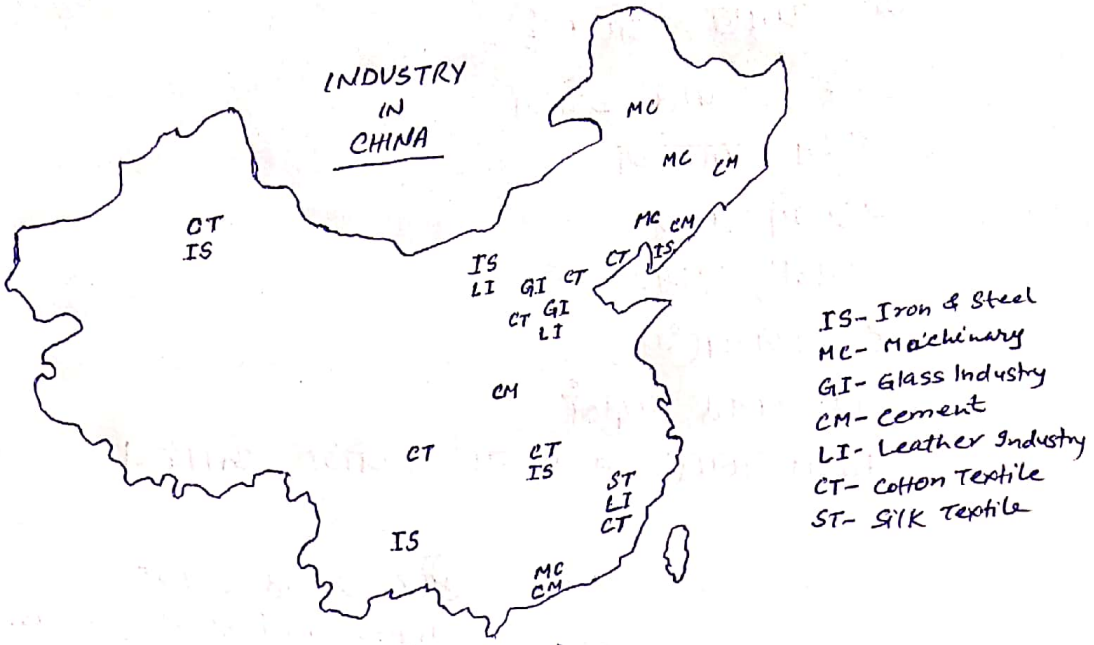

चित्रः चीन के प्रमुख उद्योग

सूती वस्त्र उद्योग
Cotton textile Industry

यह चीन के प्राचीनतम उद्योगों में से है। आज से 3000 वर्ष पूर्व से चीन में सूती वस्त्र बनाया जा रहा है। 19 वीं सदी तक यह कुटीर उद्योग के रूप में चलता रहा। चीन में कपास की खेती होती है जिससे सूत और करघों द्वारा सूती वस्त्र बनाया जाता है। 1890 ई० से नए मिल स्थापित हुए और टिंटसिन, शंघाई और सिंगटाओं में कारखानों की स्थापना हुई।

सन 1949 के बाद साम्यवादी सरकार ने सूती वस्त्र उद्योग को व्यापक तरीके से विकसित किया और आज चीन अपनी विशाल जनसंख्या के मांगों की पूर्ति के साथ-साथ विदेशों को भी निर्यात करता है।

चीन में सूती वस्त्र उद्योग के विकास के कारण:

→ अधिकांश कारखाने समुद्रतटीय इलाकों में है जिसकी पृष्ठभूमि में कपास की कृषि है।

→ अधिकतर कारखाने बंदरगाह के निकट है।

Scanned with CamScanner

→ तटीय जलवायु सूतीवस्त्र उद्योग के अनुकूल है।
→ तटीय भागों में विशाल जनसंख्या सस्ते श्रमिकों की पूर्ति करता है।

चीन के प्रमुख सूतीवस्त्र उद्योग केन्द्र:

टिंटसिन, सिंगटाओ, सिनान, हांगचो, चेंगचाउ, नानकिंग, सियेनयांग, शिहचियाचुवांग, उरूमची, बीजींग आदि।

रेशम उद्योग
Silk Industry

यह चीन का प्राचीनतम उद्योग है। यह विश्व का सर्वाधिक रेशम का उत्पादन करता है।

रेशम शहतूत तथा बलूत के पत्तों पर पाले गए रेशम के कीड़ों से प्राप्त किया जाता है। शहतूत के पत्तों पर के कीड़ों से अच्छे रेशो वाले रेशम प्राप्त होते हैं। ओक के पत्तों से पले कीड़ों से टसर रेशम प्राप्त होता है।

चीन के प्रमुख रेशम उत्पादन केन्द्र:

क्वांटुंग, सेचवान, शाण्टुंग, हूनान, क्यांग्सू, शुतांग, शंघाई, क्वांगचाउ, चुंगशुई, समसुई, फातशान, वुंसिह, येनताई, जगटाओ आदि।

वुंसिह, शंघाई और क्वांगचाउ सबसे अधिक रेशमी वस्त्र उत्पन्न करते हैं।

कागज उद्योग
Paper Industry

कागज का आविष्कार चीन में हुआ। लगभग 100 ई० पूर्व रेशम व रूई से कागज बनाया जाता था। 1905 ई० में कागज बनाने के नवीन विधि का आविष्कार हुआ।

कागज निर्माण सामग्री - पटसन के रेशे, कोमल बाँस, गेहूँ के डण्ठल आदि।

चीन में यह कुटीर उद्योग था। चीन से विश्व के अन्य देशों में कागज पहुँचा।

आधुनिक निर्माण— साम्यवादी सरकार गठित होने के पश्चात चीन में आधुनिक कागज कारखानों का विकास हुआ। कागज निर्माण के प्रमुख केन्द्र:

कियामुजे: उत्तरी चीन में सुगरी नदी तट, खिंगन वनों से कच्चा माल

केण्टन: द्वितीय पंचवर्षीय योजना के तहत स्थापित

चीन में कागज निर्माण द्वारा मांग पूर्ति के साथ-साथ विदेशों को भी निर्यात किया जाता है।

Scanned with CamScanner

सीमेन्ट उद्योग
Cement Industry

चीन में सीमेण्ट बनाने हेतु कच्चा माल चूना पत्थर और डोलोमाइट स्थानीय तौर पर उपलब्ध है। सीमेण्ट उत्पाद के प्रमुख केन्द्र हैं- युंगकी, फुचुन, शेनयांग, शंघाई, आदि।

चीन विश्व का सबसे बड़ा सीमेण्ट उत्पादक है जिसने 2014 ई० में 250 करोड़ टन सीमेण्ट का उत्पादन किया।

रसायन उद्योग
Chemical Industry

इस उद्योग की स्थापना 1949 के बाद साम्यवादी सरकार ने की जो एक विकसित उद्योग बन गया है। प्रमुख निर्माण सामग्री हैं- कृत्रिम रबड़, कृत्रिम रेशम, उर्वरक, वार्निश, रंग, गंधक, सल्फर, दवाईयाँ, सोडा आदि।

प्रमुख निर्माण केन्द्र हैं-

किरिन प्रांत- रासायनिक पदार्थ बनाने के अनेक कारखाने हैं।

शंघाई - नकली रेशम के विशाल कारखाने हैं।

लुटा, नानकिंग व शेनयांग- रासायनिक खाद के कारखाने हैं।

Automobile Industry

चीन विश्व का सबसे बड़ा गाड़ियों का उत्पादक है। 2018 ई० में 2.7 करोड़ गाड़ियों का उत्पादन किया जो एक रिकार्ड है।

Other Industries

उपरोक्त उद्योगों के अतिरिक्त चीन निम्नलिखित उद्योगों का प्रमुख उत्पादक है-

दियासलाई,	सिगरेट	टूरिज्म
इत्र,	वनस्पति तेल	टेलीकम्यूनिकेशन
चमड़ा उद्योग,	शराब	सोलर पैनल
चीनी मिट्टी के बर्तन	मोबाइल	आदि

इस प्रकार उपरोक्त विवरणों से स्पष्ट है कि साम्यवादी सरकार की 1949 ई० में स्थापना के बाद से ही चीन निरंतर विकास पथ पर अग्रसर है और औद्योगिक उत्पादन में प्रथम स्थान पर स्थापित होने की कोशिश कर रहा है।

Scanned with CamScanner